Title: Need to give adequate protection to Shri Rajesh Ranjan, an M.P. from Bihar in view of repeated attacks on the member as well as other elected representatives of Bihar.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Mr. Speaker, Sir, we stand committed to the views of Shri Pappu Yadav.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। सदन में माननीय गृह मंत्री महोदय भी मौजूद हैं। बिहार की स्थिति उनसे छिपी नहीं है। परसों कानपुर के पहले जिस "डी" कूपे में मैं बैठा था, उसकी पहली खिड़की, मेरे गेट की खिड़की और तीसरी खिड़की, तीनों खिड़कियों को तोड़ते हुए एक ऐसा गोला जिसका आप अनुमान नहीं लगा सकते हैं, अगर वहां लोग बैठे होते तो सब के सब मारे जाते, कोई नहीं बचता, इतनी हैवी आवाज हुई, लगा कि ट्रेन उलट जाएगी। मेरे साथ दो-दो एक्स एमपीज बैठे थे, अनिल यादव एक और एक्स-एमपी बैठे थे। इससे पहले भी अध्यक्ष महोदय, मेरी मां के ऊपर गोली चली थी और मेरी सगी भाभी मारी गयी थीं। फिर मेरी मां पर अटैक हुआ था और मेरा पर्सनल बॉडी-गार्ड मारा गया था। दर्जनों बार मेरे परिवार और मेरे ऊपर कातिलाना हमला बिहार में हुआ है। यह सिलसिला मंडल कमीशन के समय से चलता आ रहा है। माननीय राम विलास पासवान जी पर बम चला, अनवारूल हक जी पर और जार्ज साहब पर भी मुजफ्फरपुर में हथियार से वार हुआ था। बिहार की आज जो स्थिति है उसमें मैं किसी पार्टी पर आरोप लगाना नहीं चाहता हूं। लेकिन जिस सिस्टम के खिलाफ हमारी लड़ाई है और बड़े ताकतवर लोग जो बिहार को बर्बाद करना चाहता है, उनके खिलाफ लड़ाई है उसमें मैं और मेरा परिवार, वहां का विपक्ष जो सिस्टम के खिलाफ वहां लड़ते रहे हैं, वे आज वहां सुरक्षित नहीं है। मैंने तीन दिन पहले भी अध्यक्ष महोदय आपसे कहा था कि इसमें सुरक्षा के लिए मुझे भीख मांगने की कोई जरूरत नहीं है। मेरे बारे में पटना हाई-कोर्ट ने दो बार सरकार को आदेश दिये कि मुझे और मेरे परिवार को पूरी सुरक्षा दी जाए। लेकिन गवर्नमेंट ने मना कर दिया। वहां पूरे के पूरे परिवार को ब्लैक कैट कमांडो से लेकर 10-10 कार्बाइन और स्टेनगन युक्त सुरक्षा कर्मी उन लोगों को मिले हुए हैं जो बिहार को उन्नत देखना नहीं चाहते हैं।

सारे के सारे ऐसे लोग जो बिहार को उन्नत नहीं देखना चाहते हैं, उनको सुरक्षा मिली हुई है। जो लोग विपक्ष में हैं, आम लोगों की बात कहते हैं, उनके लिए कोई सुरक्षा नहीं है। मैं सिर्फ एक संसद सदस्य होने के नाते आपसे संरक्षण चाहता हूं। आज बिहार की स्थिति को देखते हुए, आप मुझे संरक्षण दें। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता हूं। â€¦ (व्यवधान) महोदय, कल पटना में स्थिति यह थी कि तीन-तीन जगह पुलिस को गोली मारकर साधारण आदमियों को उठाकर ले गए। आज सुबह 8 बजे राजवंशी नगर से एक 11 वर्ा की लड़की को उठाकर ले गए और उसके पिता के पैर में गोली मार दी। वहां की स्थिति के बारे में मैं वर्णन नहीं कर सकता हूं। हमें आपसे संरक्षण चाहिए। मैं मर भी जाऊं, लेकिन बिहार से संरक्षण नहीं लूंगा, क्योंकि उसके संरक्षण में मुझे कहीं-न-कहीं खोट नजर आता है। मैं बिहार सरकार से संरक्षण नहीं लूंगा। महोदय, आप मुझे संरक्षण देने के लिए सुनिश्चित करें। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं इस विाय पर चर्चा शुरु नहीं करूंगा। मैं श्री राम विलास पासवान जी का नाम पुकार रहा हूं, वे, जो उनका प्रस्ताव है, उस पर चर्चा शुरु करें। The hon. Home Minister and Deputy Prime Minister is sitting here; he will take this matter seriously.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He will take this matter seriously.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : श्री रामविलास पासवान जी, जो आपका प्रस्ताव है, उस पर चर्चा शुरु कीजिए। आप दलितों पर अत्याचार से संबंधित विाय पर चर्चा शुरु करें। मैंने मंत्री जी को इस विाय पर ध्यान देने के लिए सूचना दी है।

...(व्यवधान)

14.07 hrs.

(At this stage, Shri Madhusudan Mistry and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.)

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I cannot take any other issue without notice.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : श्री राम विलास पासवान जी, मैंने आपका नाम पुकारा है। आपके द्वारा प्रस्तुत विाय बहुत महत्वपूर्ण हैं। मैं चाहता हूं कि उस विाय पर सदन में चर्चा हो।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please go back to your seats. Let us now take up discussion regarding atrocities on Dalits. You must all cooperate. This subject is pending for a long time to be discussed.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You can give a notice. Your notice must come to me. There is a procedure for running the House.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The slogan should not go on record. Television cameras should also be switched off.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet at 11 a.m. on Wednesday, 13th of August, 2003.

14.08 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, August 13, 2003/Sravana 22, 1925 (Saka).

_____